>

Title: Need to extend the benefit of agriculture insurance scheme to the farmers in the event of loss of crops due to natural calamities in the country.

श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव): माननीय महोदय, आपने शून्य प्रहर में बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। देश में किसानों की अवदशा का हर समय उल्लेख होता है। किसान को मौसम में एकाएक होने वाले बदलाव के कारण सूखा, अकाल, अतिवर्षा, बाढ़, कीट के कारण और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हानि उठानी पड़ती है। मैं महाराष्ट्र के संसदीय क्षेत्र जलगांव का प्रतिनिधित्व करता हूं, विशेषकर यहां केला और कपास के ऊपर लाल्या और करपा जैसे रोगों से हजारों एकड़ फसल खत्म हो गई है। आज कल खेती घाटे का सौदा हो गया है। फसल के उत्पादन के लिए आवश्यक लागत मूल्य में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी और फसल उत्पादन में विषमता के कारण किसान अब जीवनयापन के लिए संघर्ष करता दिखाई दे रहा है। ऐसे समय में किसानों को बचाने के लिए सरकार को आगे आना होगा। सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षित रखने के लिए फसल बीमा योजना बनाई है। लेकिन इन खामियों के चलते इसका किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। महाराष्ट्र राज्य के कृषि मंत्री द्वारा स्वयं इस सत्य को स्वीकार किया है और जवाब दिया है कि किसानों को सही लागत नहीं मिल रही है। फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों के फसलों के हानि के रूप में दिए जाने वाले मुआवजे की राशि देने में भारी विलंब होता है। प्रशासनिक यंत्रणाओं द्वारा प्राकृतिक आपदा क्षेत्र में फसलों की हानि की जांच और जायजा लेने का तरीका काफी पुराना होने के कारण किसानों को हानि का मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने फसल बीमा के मुआवजे में क्षेत्र का बंधन रखा इससे थोड़े क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाग्रस्त किसानों को लाभ ही नहीं मिलता है इसलिए किसान बीमा योजना के बारे में सोच विचार कर कालसंगत और किसान हितैषी बनाने की आवश्यकता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार कृषि बीमा योजना में खामियों का संज्ञान लेकर तत्काल इसे संशोधित कर किसान उपयुक्त बनाए।

-

18.00 hrs.

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार कृषि बीमा योजना की खामियों का संज्ञान लेकर इसे किसान उपयुक्त बनाये।

सभापति जी, मेरे संसदीय क्षेत्र की एक समस्या यह भी है कि हमारे यहां के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण वहां के किसान मर रहे हैं। देश में किसानों के द्वारा जो आत्महत्याएं हो रही हैं, उनमें महाराष्ट्र राज्य एक नम्बर पर आता है। मेरे जलगांव जिले में किसान प्राकृतिक आपदाओं के कारण मर रहे हैं और आत्महत्याएं कर रहे हैं। लेकिन वहां के एक सरकारी ऑफिसर ने वहां के एक किसान की हत्या कर दी है। मेरी सरकार से मांग है कि इसकी कड़ी से कड़ी जांच होनी चाहिए और किसानों को न्याय मिलना चाहिए। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN : Now, it is 6 o'clock. If the House agrees, we can extend the time of the House till Special Mentions are over.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

MR. CHAIRMAN: All right. The time of the House is extended till Special Mentions are over.